

पोषण अभियान

स्रोत: पी.आई.बी.

चर्चा में क्यों?

पोषण अभियान का उद्देश्य प्रौद्योगिकी, अंतर-क्षेत्रीय अभिसरण और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से पोषण संबंधी परणामों में सुधार करना है।



Beneficiaries
10,08,89,775



Children (0-6 Months)
47,53,831



Children (6 Months - 3 Years)
3,82,66,444



Children (3 - 6 Years)
4,49,14,794



Pregnant Women
55,41,417



Lactating Mothers
51,28,483



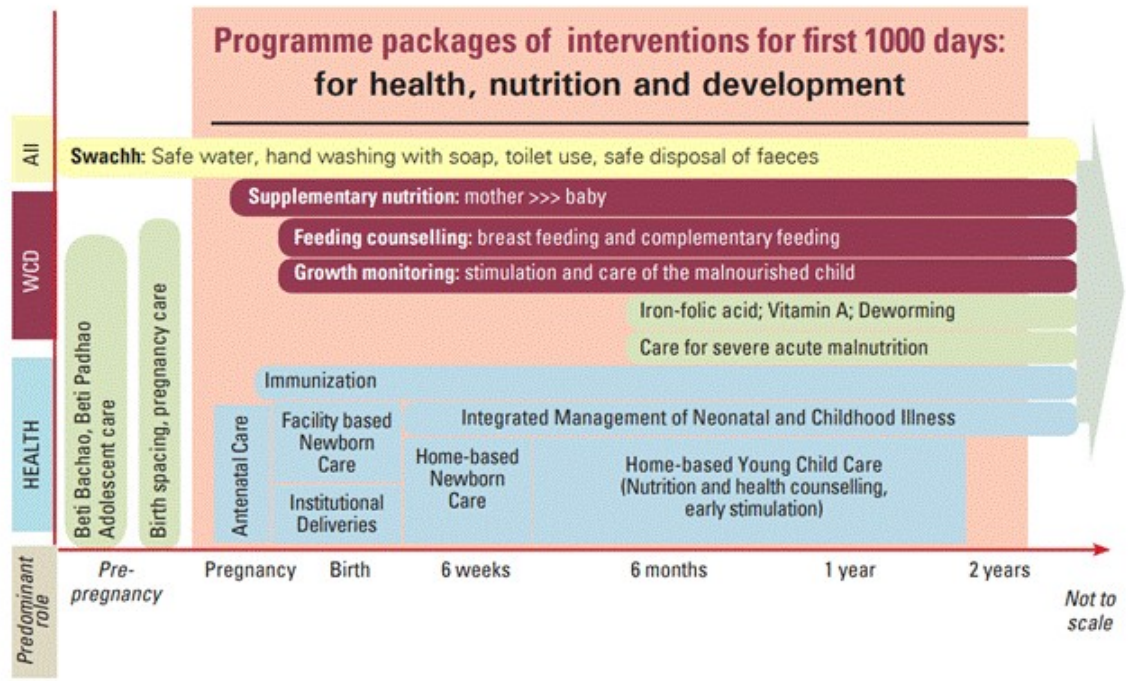
Adolescent Girls
22,84,806

पोषण अभियान क्या है?

- परिचय: यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है, जसि 8 मार्च 2018 को राजस्थान के झुंझनू में शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लक्ष्मि एवं एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से कशोरियों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं एवं बच्चों (0-6 वर्ष) की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना है।

- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य **स्टंटिंग, कुपोषण, एनीमिया** (छोटे बच्चों, महिलाओं एवं कशोरियों में) को कम करना तथा **जन्म के समय कम वज़न वाले बच्चों की संख्या में कमी** लाना है।
- **रणनीतिक स्तंभ:** इसका क्रियान्वयन **चार रणनीतिक स्तंभों** पर आधारित है:
 - **गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ:** बालक के आरंभिक **1,000 दिनों** पर ध्यान केंद्रित करते हुए **ICDS, NHM और PMMVY** के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढीकरण करना।

Critical and Effective Interventions



- **क्षेत्रों के बीच समन्वय:** समग्र पोषण के लिये जल एवं स्वच्छता जैसे मंत्रालयों के प्रयासों में समन्वय करना।
 - **नीतिआयोग** के नरिदेशन में **भारत की पोषण चुनौतियों पर राष्ट्रीय परिषद** नीतिका मार्गदर्शन करती है तथा पोषण अभिसरण की तमिही समीक्षा करती है।
- **प्रौद्योगिकी:** वास्तविक समय में आँकड़ों और नगिरानी के लिये **पोषण ट्रैकर** का उपयोग करना है तथा आँगनवाड़ी सेवाओं के वतिरण का सुदृढीकरण के लिये **ICDS-कॉमन एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर** का उपयोग कयिा जाना।
- **जन आन्दोलन:** समुदाय द्वारा संचालित पोषण जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देना।
- **पोषण सुधार:** 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिये **NFHS-5 (2019-21)** के अनुसार।

सूचक	NFHS-4 (2015-16)	NFHS-5 (2019-21)
वेस्टिंग (लंबाई के अनुपात में कम वज़न)	21%	19.30%
कुपोषण (आयु के अनुसार कम वज़न)	35.70%	32.10%
वृद्धरीध (आयु के अनुपात में कम लंबाई)	38.40%	35.50%

- **मशिन सकषम आँगनवाड़ी और पोषण 2.0:** इसे **मशिन पोषण 2.0** के रूप में भी जाना जाता है, जो **आँगनवाड़ी केंद्रों (AWC)** के लिये स्वास्थ्य, कल्याण और प्रतरिक्षा और बुनयिदी ढाँचे के उन्नयन को बढ़ावा देता है, जैसे कसिमरपति भवन, कार्यात्मक शौचालय, पेयजल की सुवधि।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2024 के अनुसार भारत की पोषण स्थिति

India's GHI Indicators in 2024

Undernourishment

Improved food security in India

Child Stunting

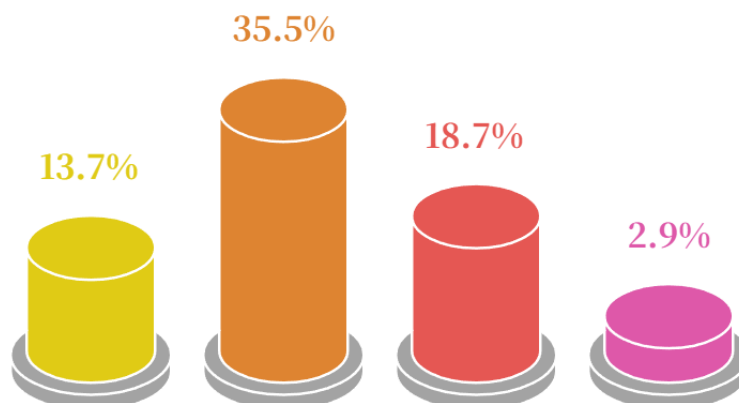
Long-term malnutrition unchanged

Child Wasting

Highest malnutrition rate globally

Child Mortality

Slight decrease in child deaths



UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

?????????:

प्रश्न: नमिनलखिति में से कौन-से 'राष्ट्रीय पोषण मशिन' के उद्देश्य हैं? (2017)

1. गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण के बारे में जागरूकता पैदा करना ।
2. छोटे बच्चों, कशोरियों और महिलाओं में एनीमिया के मामलों को कम करना ।
3. बाजरा, मोटे अनाज और बनिा पॉलशि कयि चावल की खपत को बढ़ावा देना ।
4. पोल्टरी अंडे की खपत को बढ़ावा देना ।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1, 2 और 3
- (c) केवल 1, 2 और 4
- (d) केवल 3 और 4

उत्तर: A

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-सा/से वह/वे सूचक है/हैं, जसिका/जनिका IFPRI द्वारा वैश्वकि भुखमरी सूचकांक (ग्लोबल हंगर इंडेक्स) रपिर्ट बनाने में उपयोग कयि गया है? (2016)

1. अल्प-पोषण
2. शशि वृद्धरिधन
3. शशि मृत्यु-दर

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) 1, 2 और 3

(d) केवल 1 और 3

उत्तर: C

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/poshan-abhiyan-1>

